vkn'k Á'u i= & 2008&09

d{kk&11

fo"k;&fgUnh & ¼ vk/kkj ½

vad ;kstuk

अंक– 90 समय– 3 घंटे

Vhi & Hkk"kk ,oa Hkko ij /;ku fn;k tk;sA LkHkh Á'u gy djuk vfuok;Z gSA

प्र॰1. अपठित गद्यांश के उत्तर – (2+2+2+2+2) = 10 अंक

(क) भगत सिंह लोक मानस में अपने अनुकूल वातावरण निर्मित करने में दक्ष थे।

(ख) गॉधी जी सामाजिक परिस्थितियों से उत्पन्न वातावरण को अपने अनुकूल करने में बेजोड़ थे।

(ग) भगत सिंह वातावरण को अपने अनुकूल कर सकते थे और गॉधी जी स्वंय वातावरण के अनुसार ढल जाते थे।

(घ) जो लोक जीवन की आकांक्षा को योजना देकर उसे लक्ष्य तक पहुॅचाता है, लोक जीवन उसे ही अपना आराध्य नेता और आदर्श पुरूष मानता है।

(ङ) लोक–जीवन

प्र॰2. अपठित काव्यांश के उत्तर – (2+2+2+2+2) = 10 अंक

(क) इस कविता में भारतवासियों की ओर संकेत दिया गया है। शिव और मीरा का उदाहरण दृष्टव्य है।

(ख) ऋंगार परक नृत्य लास्य नृत्य है और उद्धृत नृत्य तांड़व है। सृजन का मूल लास्य और विप्लव का तांड़व है।

(ग) भारतीय दूसरों के दुख से दुखी और दूसरों के सुख से सुखी होते है।

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

(घ) हम भारतीय सदैव से शान्तिप्रिय, परदुख कातर और देशप्रेमी हैं।

(ङ) '' तुम हमारी चोटियों की बर्फ को यों मत कुरेदो।''

प्र॰3. किसी एक विषय पर निबंध लिखो। 05 अंक

प्रस्तावना	01 अंक
प्रस्तुतीकरण	01 अंक
समापन	01 अंक
भाषा और शैली	01 अंक
नियम–प्रतिपादन	01 अंक

प्र॰4. i= ys[ku – 05 अंक

संबोधन एवं आंरभिक प्रविष्टि ,विषय आदि	01 अंक
भवदीय/प्रार्थी/पता/समापन आदि	01 अंक
विषय का प्रस्तुतीकरण	02 अंक
भाषा कौशल	01 अंक

प्र॰5. lEiknh; ys[ku –– 05 अंक

प्रभावी शैली, स्पष्ट भाषा, चुटीलापन, निष्पक्षता एवं बेवाक मत।

प्र॰6. ललित निबंध के रूप में बीजिंग ओलम्पिक का तथ्य परक विवरण, भारत की उपलब्धि, स्वर्ण पदक प्रथम बार, किसी भी ओलम्पिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को अब तक मिले तीन पदक आदि का समावेश फीचर में किया जाना अपेक्षित है। 05 अंक

अथवा

fjiksVZ && ¼Áfrosnu)

–– दिनांक एवं दिन

–– संस्था का नाम

–– कार्यक्रम में भाग लेने वाले

–– गतिविधियॉ

–– उद्देश्य पूर्ती

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

प्र॰7. दिए गए काव्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10 अंक

(क) कवि —— सुमित्रा नंदन पंत 01 अंक
कविता —— वे ऑखे

काव्यांश की भावपूर्ण व्याख्या 03 अंक

कवि ने पराधीन भारत के किसान की निराशा पूर्ण मनः स्थिति का आलंकारिक एवं सजीव चित्रण किया है। किसान स्वाभिमान से भरपूर था किन्तु समाज ने उसे इतने दुख दिए है कि उसका जीवन अंधकारमय हो गया हैं।

विशेष पर 01 अंक

भाव, भाषा, अलंकार आदि। (उपमा एवं रूपक प्रमुख)

(ख) कवि – रामनरेश त्रिपाठी 01 अंक

कविता – पथिक

भावपूर्ण व्याख्या

प्रकृति की मनोरम छटा का नाम परिगणन शैली में प्रतिपादन, आत्म विस्मृति का भाव, कविता के माध्यम से प्रकृति के साथ साहचर्य की प्रेरणा। 03 अंक

विशेष – छंद अलंकार, संबोधन शैली 01 अंक

(ग) कवि – कबीरदास 01 अंक

कविता – हम तौ एक–एक करि जाना है।

उपदेशात्मक भाशा, उदाहरणो द्वारा कथन की पुष्टि निगुर्ण ईश्वर की सार्वभौमिकता का प्रतिपादन। 03 अंक

विशेष – छंद, अलंकार, संबोधन शैली, सत्य का प्रतिपादन ।

01 अंक

प्र॰8. dk0; lkn;l &

(क) 1- मीराबाई, पद 01 अंक

2. मीरा कृष्ण भक्ति को बेल के रूप में और ईश्वर मिलन को फल प्राप्ति

created with nitro PDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

के रूप में प्रस्तुत करती है । 01 अंक

3. पुनरूक्ति प्रकाश, रूपक , अनुप्रास। 01 अंक

(ख) 1- दुष्यंत कुमार – गजल। 01 अंक

2. देश और देशभक्ति। 02 अंक

प्र॰9. (क) शहरों की ओर पलायन के कारण चंपा कहती है कि पढ़ने और नौकरी की तलाश में यदि परिवार टूटते हैं तो ऐसे कलकत्ते (शहर) का नाश हो जाय।

02 अंक

(ख) भूख , प्यास , नींद , क्रोध , लोभ , मोह लक्ष्य से भटकाते हं इसलिए अक्क महादेवी ने इन मानसिक एवं शारीरिक विकारों को भगवत प्राप्ति में बाघक माना है। 02 अंक

अथवा

निर्मला पुतुल कहती है कि चारो ओर अविश्वास भरा वातावरण है ऐसे में विश्वास , उम्मीद , सपने आदि अभी भी बचाए जा सकते हैं। 02 अंक

प्र॰10. गधांश से संबधित प्रश्नों के उत्तर –– (2+2+2+) = 06 अंक

(क) कर्जन को अपनी जिद पूरी न होने पर वाइसराय के पद से इस्तीफा देना पड़ा था इसे ही नाटक का दुखान्त कहा गया है। 02 अंक

(ख) लार्ड कर्जन की विघनाटत्मक कार्य शैली और निरंकुश प्रशासन को नाटक की संज्ञा दी है। 02 अंक

(ग) लेखक का कहना है कि सारे संसार को चलाने वाला केवल ईश्वर है इसलिए मनुष्य कर्ता नही होता करने वाला तो ईश्वर ही है। 02 अंक

अथवा

(क) लाहुल स्पीति में वर्षा नाम मात्र को होती है वहां अधिकांश समय बर्फ

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

पडती रहती है इसलिए मैदानी क्षेत्र जैसी वर्षा का अनुभव वहां के निवासियों को नही होता। 02 अंक

(ख) वर्षा हर्ष , उत्साह , वियोग , संयोग पक्ष में जीवधारियो को प्रभावित करती है। पशु , पक्षी और वनस्पति भी वर्षा के प्रभाव को प्रकट करते हैं। इसलिए यह संवेदन का अंग है। 02 अंक

(ग) कालिदास वर्षा जनित प्रभावो को प्रकृति की हरीतिमा विरहियों की व्याकुलता ,पशुओं की व्याग्रता ,बादलों की गरज आदि के रूप में चित्रित किया है।

प्र॰11. किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 3×3 = 9 अंक

(क) अलोपीदीन का पहला रूप – भ्रष्ट , कालाबाजारी , धन को धर्म से श्रेष्ठ मानने वाला।

दूसरा रूप – ईमानदारी का ग्राहक ,निरहंकारी , धर्म को धन से श्रेष्ठ मानने वाला। 03 अंक

(ख) धनराम मोहन से पढ़ने में तो कमजोर था ही किन्तु मोहन ब्राह्मण पुत्र होने और धनराम का लोहार पुत्र होने से सामाजिक स्तर पर मोहन की श्रेष्ठता होने के कारण उसे अपना प्रतिद्वन्दी नही मानता था। 03 अंक

(ग) कार्यालयीन काम टालू प्रवृति और कर्तव्य बोध की हीनता तथा स्वार्थपरता की प्रवृत्ति ' जामुन का पेड ' में व्यंग्य के कारण बने है। 03 अंक

(घ) यह कथन रजनी ने अपने पति रवि से किया है। जब रवि उसे अमित के प्रति विद्यालय में हुए अन्याय की खिलाफत करने से मना करता है।

03 अंक

प्र॰12. सामाजिक समस्याएँ ———— 06 अंक

(क) समाज में स्त्री की दशा।

(ख) परित्यक्ता स्त्री को समाज में दोयम दर्जा।

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

(ग) अभाव ग्रस्तता।

(ध) सार्वजानिक शौचालयों का अभाव।

(ङ) अशिक्षा।

(च) परिवार वालो का साथ न देना आदि

अथवा

ikyj ikuh –– वर्षा का जल जो नदियो ,तालाबो आदि में मिलता हैं । पीने योग्य नही होता है।

ikrky ikuh –– वर्षा जल जो खड़िया पट्टी के अभाव में पृथ्वी में बहुत गहराई तक चला जाता है ,जिसे कुँओं ,टूय्वबेलो द्वारा प्राप्त किया जाता है। खारा होता है।

j:tk.kh ikuh –– राजस्थान में रेत की नमी का बूंद–बूंद के रूप में खड़िया पट्टी पर एकत्रित जल । जिसे कुंई द्वारा प्राप्त किया जाता है। जो पीने योग्य होता है।

प्र॰13. किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है – 3×3 = 9 अंक

(क) लता मंगेश्कर के गायन की विशेषताएॅ ––

गानपन , सुरीलापन , नादमय उच्चार ,वर्ण शुद्धता , कोमलता ,मुग्धता आदि।

(ख) 15–20 हाथ कुंई खोदने के बाद नीचे बैठे चेजारो को ताजी हवा पहुँचाने के लिए मुट्ठी भर रेत भरकर नीचे फेंकते हैं। यह रेत ऊपर की ताजी हवा को नीचे कुँई में धकेलती है। इस तरह ताजी हवा को गहराई तक पहॅुचााते हैं। 03 अंक

(ग) खानदानी संगीतकार चित्रपट संगीत पर लोगो के कान बिगाड़ने का आरोप लगाते हैं। मेरे मत से चित्रपट संगीत ने लोगो में संगीत के प्रति रूचि जगाई है। उनकी संगीत विषयक समझ बढ़ी है। संगीत कला का

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

विस्तार एवं प्रसार हुआ है। 03 अंक

(घ) rkr|'k dk ;kxnku &&&

1. पढ़ने में रूचि पैदा की।
2. काम ढूँढने की चिंता से मुक्त किया।
3. बच्चो की देखरेख कीं
4. मकान बदलने की चिंता से मुक्त किया।
5. अपने परिजनो और मित्रो से बेबी के लेखन की प्रशंसा कराई और मार्गदर्शन दिलाया।
6. लेखन के प्रति विश्वास पैदा किया। 03 अंक

&&&&&&&

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

vkn’k Á’u i= & 2008&09

d{kk&11

fo"k;&fgUnh & ¼ vk/kkj ½

अंक– 90 | समय– 3 घंटे

Vhi & LkHkh Á’u dk mRrj nuk vfuok;Z gSA lHkh [k ,oa lokP; fy[kA

प्र॰1. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गाँधी जी और भगत सिंह लोक जीवन की कुंजी किस तत्व को मानते थे इसका समाधान करने की स्थिति यहाँ नही है। यहाँ तो इस संबध में मैं इतना ही कह सकता हूँ कि भगत सिंह लोक–मानस में अपने अनूकुल वातावरण को अपने प्रयासो से निर्माण करने में दक्ष थे और गांधी जी सामाजिक परिस्थितियों से स्वंय उत्पन्न वातावरण को अपने अनुकुल करने में बेजोड़ थे।

लोक मानस के मन में भाव होते हैं , पर भाषा नहीं होती। जो व्यक्ति भाव को भाषा देता है , लोक जीवन में उसे ही अपना नेता ,अपना कर्णधार , अपना आदर्श मानने की स्वेच्छा उत्पन्न हो जाती है। यह मेरी कुंजी का पूवार्द्ध है। उत्तरार्द्ध यह है कि लोक के मानस में आकांक्षा होती है ,पर उस आकांक्षा को पूर्ण करने के प्रयत्नों की योजना नही होती। जो उसे योजना देता है , उस योजना पर चलने की प्रेरणा देता है ,चलाता है और लक्ष्य पर पहुँचने से पहले रुकने , थकने नही देता , वह उसका आराध्य नेता और

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

आदर्श पुरूष हो जाता है।

इसी पृष्ठभूमि में मैं यह कहना चाहता हूँ कि लोक जीवन का बल अपने शौर्य , पराक्रम या त्याग–बलिदान से प्रदीप्त व्यक्तियों का आदर्श है ,वह जीवित रूप में हो , साहित्य–इतिहास के रूप में । बस एक ही प्रश्न और लोक की सर्वोत्तम ,सर्वोच्च आकांक्षा क्या है ? मेरा अनुभव कहता है कि लोक की मूल जीवन–वृत्ति है आनन्द। आनन्द पनपता है शांति में , और शांति की लता पुष्पित होती है स्थिरता में। तो शांत जीवन ही लोक की सर्वोत्तम–सर्वोच्च आकांक्षा हैं।

(क) भगत सिंह की क्या विशेषता थी ? 02 अंक

(ख) महात्मा गांधी किस में बेजोड़ थे ? 02 अंक

(ग) भगत सिंह और महात्मा गांधी में क्या अतंर था ? 02 अंक

(घ) लोक जीवन किसे अपना आराध्य नेता और आदर्श पुरूष मानता है ? 02 अंक

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ? 02 अंक

प्र॰ 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िए और तत्संबधी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ––

मस्त योगी हैकि हम सुख देखकर सबका सुखी हैं ,

कुछ अजब मन है कि हम दुख देखकर सबका दुखी हं ,

तुम हमारी चोटियों की बर्फ को यों मत कुरेदो ,

दहकता लावा हृदय में है कि हम ज्वालामुखी हैं !

लास्य भी हमने किए हैं और तांड़व भी किए हैं ,

वंश मीरा और शिव के , विष पिया है और जिये हैं ,

दूध माँ का या कि चंदन या कि केसर जो समझ लो ,

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

यह हमारे देश की रज है , कि हम इसके लिए हैं !

(क) इस कविता में किस देश के निवासियो की बात की गई है ? कारण दीजिए। 02 अंक

(ख) लास्य और तांड़व से आप क्या समझते हैं ? 02 अंक

(ग) इस कविता में भारतीयों की किस विशेषता को उजागर किया गया है ? 02 अंक

(घ) कविता का मूल भाव क्या है ? 02 अंक

(ङ) कविता के लिए उचित शीर्षक दीजिए ? 02 अंक

प्र॰3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए ? 05 अंक

(क) व्यायाम के लाभ ।

(ख) दूरदर्शन और हम ।

(ग) ''दैव–दैव आलसी पुकारा''।

(ङ) मोबाइलः लाभ और हानि।

प्र॰4. अपराधी तत्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो गया है – इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संपादक , नवभारत टाइम्स ,बहादुर शाह जफर मार्ग , नई दिल्ली को पत्र लिखिए। 05 अंक

अथवा

भारतीय स्टेट बैंक, जयपुर शाखा को कुछ कार्यालय–सहायकों की आवाश्यक्ता है। अपनी योग्यता का विवरण देते हुए बैंक के मैनेजर को आवेदन पत्र लिखिए।

प्र॰5 • आईटी के क्षेत्र में भारतीयों का दबदबा' शीर्षक पर एक संपादकीय लिखिए। 05 अंक

अथवा

created with nitroPDF professional
download the free trial online at nitropdf.com/professional

विद्यालय में संपन्न हुए शिक्षक दिवस पर एक रिपोर्ट लिखिए।

प्र॰6. ''बीजिंग ओलंपिक में भारत की सुनहरी चमक'' शीर्षक पर फीचर लिखिए। 05 अंक

प्र॰7. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 5+5 = 10 अंक

(क) अंधकार की गुहा सरीखी

उन आँखो से ड़रता है मन ,

भरा दूर तक उनमें दारूण

दैन्य दुख का नीरव रोदन!

वह स्वाधीन किसान रहा ,

अभिमान भरा आँखों में इसका

छोड़ उसे मझधार आज

संसार कगार सदृश बह खिसका!

(ख) वन , उपवन ,गिरि ,सानु ,कुंज में मेघ बस पड़ते हैं।

मेरा आत्म प्रलय होता है , नयन नीर झड़ते हैं।

पढ़ो लहर ,तट ,तृण ,तरू ,गिरि ,नभ ,किरन जलद पर प्यारी

लिखी हुई यह प्रेम कहानी ,विश्वविमोहन हारी।।

(ग) हम तौ एक करि जाना ।

दोई कहैं तिनही कौं दोजग जिन नाहिन पहिचाना।।

एकै पवन एक ही पानी ,एकै जोति समाना।

एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोहरा साना।।

जैसे बाढ़ी काष्ट हो काटै ,अगिनि न काटै कोई।

सब घटि अन्तरि तू ही व्यापत धरै सरुपै सोई।।

प्र॰8. निम्नलिखित कांव्यांशों का काव्य सौंदर्य पूछे गए प्रश्नों के आधार पर दीजिए 3+3

(क) अंसुवन जल सींचि सींचि प्रेम–बेलि बौयी।

अब त बेलि फैलि गयी ,आणंद–फल होयी।।

I. कवि और कविता का नाम लिखिए। 01 अंक

II. काव्यांश के रूपक का निहितार्थ लिखिए। 01 अंक

III. पंक्तियो में आए अलंकार बताइए। 01 अंक

(ख) जियें तो अपने बगीचे में गुलमोहर के तले।

मरें तो दूसरों की गलियों में गुलमोहर के लिए।।

I. कवि और कविता का नाम लिखिए ? 01 अंक

II. गजल में आए दो बार गुलमोहर के अर्थ स्पष्ट कीजिए। 02 अंक

प्र॰9. किन्ही दो प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर लिखिए –– 2+2= 4 अंक

(क) चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता पर बजर गिरे ?

(ख) उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए कि लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं ?

(ग) ' इस दौर में भी बचाने को बहुत कुछ बचा है ' – से क्या आशय है ?

प्र॰10. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए ––

आगे भी इस देश में जो प्रधान शासक आए ,अंत में उनको जाना पड़ा। इससे आपका जाना भी परंपरा की चाल से कुछ अलग नही है ,तथापि आपके शासन काल का नाटक घोर दुखांत है और अधिक आश्चर्य की बात यह है कि दर्शक तो क्या स्वंय सूत्रधारो भी नही जानता था कि उसने जो खेल सुखान्त समझ कर खेलना आरंभ किया था वह दुखान्त हो जावेगा। जिसके आदि में सुख था ,मध्य में सीमा से बाहर सुख था ,उसका अंत इतने घोर दुख के साथ कैसे हुआ ? आह! घमंडी खिलाड़ी समझता हैं कि दूसरों को अपनी लीला दिखाता हूँ। किंतु परदे के पीछे एक और ही लीलामय की लीला हो रही है, यह उसे खबर नहीं।

(क) किसके नाटक का घोर दुखान्त हुआ और कैसे ? 02 अंक

(ख) लेखक ने किस नाटक की ओर संकेत किया है ? 02 अंक

(ग) परदे के पीछे बैठे लीलामय ने क्या लीला दिखाई है ? 02 अंक

अथवा

कालिदास की वर्षा की शोभा विंध्याचल में है। हिमालय की इन मध्य की घाटियों में नही है। मैं नही जानता इसका लालित्य लाहुल–स्पीति के नर–नारी समझ भी पाएँगें या नही। वर्षा उनके संवेदन का अंग नही है। वे यह जानते नहीं हैं कि बरसात में नदियाँ बहती हैं , बादल बरसते , हाथी चिंघाड़ते हैं , जंगल हरे भरे हो जाते हैं ,अपने प्यारों से बिछड़ी हुई स्त्रियाँ रोती कलपती हैं ,और बंदर चुप मारकर गुफाओं में जा छिपते हैं।

(क) वर्षा का लालित्य लाहुल–स्पीति के नर–नारी क्यों नही समझते ?

(ख) वर्षा संवेदन का अंग है ,कैसे ?

(ग) कालिदास नें वर्षा के किन–किन प्रभावों का उल्लेख किया है ?

प्र॰11 निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर दीजिए– 3+3+3= 6 अंक

(क) नमक का दरोगा कहानी में पंड़ित अलोपीदीन के कौन से दो पहलू उभर कर आते है।

(ख) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वन्द्वी क्यों नही समझता था ?

(ग) 'जामुन का पेड़' कहानी में हमारे समाज की किस प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है ?

(घ) ''गलती करने वाला तो है ही गुनहगार ,पर उसे बर्दास्त करने वाला भी कम गुनहगार नही होता'' यह कथन किसने किसके संदर्भ में कहा है ?

प्र॰12. 'आलो अँधारि ' रचना में किन–किन सामाजिक समस्याओ को उठ़ाया गया है ? 06 अंक

अथवा

पालर पानी ,पाताल पानी और रेजाणी पानी को परिभाषित कीजिए ?

प्र॰13 निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर दीजिए –– 3+3+3= 06 अंक

(क) लता मंगेशकर की गायन की कतिपय विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?

(ख) कुँई खोदते समय गहराई में ताजी हवा का प्रबंध किस प्रकार किया जाता है ?

(ग) खानदानी संगीतकार चित्रपट संगीत पर क्या आरोप लगाते हैं ? उनके आरोप पर अपना मत प्रकट कीजिए ?

(घ) बेबी हालदार को लेखिका बनाने में तातुश के योगदान का उल्लेख कीजिए ?

&&&&&&

vkn'kZ Á'u i= & 2008&09

d{kk&11

fo"k;&fgUnh & ¼dfUnd½

[k.M & d

अंक– 90 समय– 3 धंटे

Vhi & Hkk"kk ,oa Hkko ij /;ku fn;k tk;A LkHkh Á'u gy djuk vfuok;Z gA

प्र01. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–– 2X5 = 10

विज्ञान की प्रगति से आधुनिक सुख साधनो में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इन साधनों के उपभोग से मानव–बुद्धि कुंठित हो गई है। इसके असंतुलित प्रयोग से मनुष्य का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य विकृत हो गया है।मनुष्य के सामने एक विकट समस्या है कि इन विकट परिस्थितियो में जीवन में वास्तविक और स्थायी सुख उपलब्ध कराने के लिए क्या उपाय किया जाऍं ? एक ही रास्ता दिखाई पड़ता है–भौतिक और अध्यात्मिक उन्नति में संतुलित सामंजस्य स्थापित करना। यही एक सर्वोत्तम उपलब्ध औषधि है जिसके बल पर विज्ञान में व्याप्त अनेकानेक बुराइयों से मुक्ति मिल सकती है।

प्रश्न (क) विज्ञान की प्रगति चिंता का कारण क्यों है ?

(ख) स्थायी सुख प्राप्ति का क्या मार्ग दिखाई दे रहा है ?

(ग) मनुष्य के सामने विकट समस्या क्या है ?

(घ) मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में क्या विकृति आई है ?

(ङ) विज्ञान जनित समाज में व्याप्त बुराईयो से मुक्ति कैसे मिल सकती है ?

प्र02. निम्नलिखित पद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–– 2X5 = 10

तीन चार फूल है ,आस पास धूल है,

बॉस है ,वबूल हैं ,धास के दुकूल हैं,

वायु भी हिलोर दे ,फूॅक दे झकोर दे,

कब्र पर, मजार पर, यह दिया बुझे नही।

यह किसी शहीद का पुण्य प्राण दान है।

प्रश्न –(क) कवि के अनुसार वायु कौन सा कार्य कर सकती है ?

(ख) 'दीया ' कहॉ जल रहा है ?

(ग) 'दीया' किसका पुण्यदान कर रहा है ?

(घ) ये काव्य पंक्तियॉ हृदय में किस प्रकार का भाव उत्पन्न करती है ?

(ङ) 'दीये से किस प्रकार का अभिप्राय है ?

प्र03 अस्पताल में प्रबंध पर असंतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखिए ? 5 अंक

अथवा

धायल सुरक्षाकर्मी को ,जो आपका परिचित संबंधी रिश्ते का भाई है, एक पत्र लिखिए ?

प्र04. निम्नलिखित में से 150–200 शब्दो में एक निबंध लिखिए ?

(क) कर्म ही पूजा है।

(ख) विविधता में एकता ।

(ग) मंगल ग्रह की यात्रा।

(घ) संचार क्रांति और भारत।

प्र05. कक्षा बारहवी का पेपर लीक हो गया। इस प्रवृति पर चिंता प्रकट करते हुए

150 शब्दो में समाचार तैयार कीजिए

अथवा

आपके स्कूल का वार्षिकोत्सव शिक्षामंत्री के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ 150 शब्दो में समाचार तैयार कीजिए ?

प्र06. बाबा रामदेव ने योग और आर्युवेद के क्षेत्र में जो क्रांति उपस्थित की है ,उस पर एक फीचर लिखिए ?

¼[k.M & [k½

प्र07. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5+5= 10अंक

(क) मेरे तो गिरधर गोपाल ,दूसरो न कोई
जा के सिर मोर–मुकट , मेरो पति सोई
छांड़ि दयी कुल की कानि ,कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि–बैठि ,लोक लाज खोयी
अंसुवन जल सींचि–सींचि, प्रेम–बेलि बोयी
अब त बेलि फैलि गयी ,आणंद–फल होयी
दूध की मथनियॉ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो ,डारि दयी छोयी
भगत देखि राजी हुयी ,जगत देखि रोयी
दासि मीरां लाल गिरधर तारो अब मोही।

(ख) कहाँ तो तय था चिरागॉ हरेक घर के लिए,
कहॉ चिराग मयस्सर नही शहर के लिए।
यहॉ दरख्तों के साये में धूप लगती है ,
चलो यहॉ से चले उम्र भर के लिए।

(ग) लहराते वे खेत दृगों में
हुआ बेदखल अब जिनसे ,

हँसती थी उनके जीवन की
हरियाली जिनके तृन–तृन से!

ऑखो में ही धूमा करता
वह उसकी ऑखो का तारा ,
कारकुनो की लाठी से जो
गया जवानी में ही मारा!

प्र08. निम्नलिखित काव्यांशो का सौन्दर्य लिखिए ? (प्रश्नानुसार)

(क) अपनी बस्तियो को
नंगी होने से ,
शहर की आबो–हवा से बचाऐ उसे
बचाऍ उसे डूबने से

थोड़ा सा विश्वास
थोड़ी सी उम्मीद
थोड़े से सपने
आओ मिलकर बचाऍ।

i. कवि और कविता का नाम बताए ? 1 अंक

ii. बस्तियो को शहर की किस आबो हवा से बचाने की जरूरत है ? 1 अंक

iii. थोड़ा सा ,थोड़ी सी ,थोड़े से में भाषा सौन्दर्य बताएँ ? 1 अंक

(ख) हे सजीले हरे सावन ,हे कि मेरे पुण्य पावन।
तुम बरस लो वे न बरसे, पॉचवे को वे न तरसे।।

i. कवि और कविता का नाम लिखिए ? 1 अंक

ii. पंक्तियो का काव्य सौंदर्य लिखिए ? 2 अंक

प्र09. किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर दीजिए – 2+2 = 4 अंक

i. पथिक का मन कहॉ विचरना चाहता है ?

ii. घर की याद कविता के आधार पर बताइए कवि नें पिता के व्यक्तित्व की किन विशेषताओ को उकेरा हैं ?

प्र010. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ संबधित प्रश्नो के उत्तर दें – 2+2+2 = 6 अंक

देखो तुम मुझे फिर गुस्सा दिला रहे हो रवि –– गलती करने वाला तो है ही गुनेहगार ,पर उसे बर्दाश्त करने वाला भी कम गुनेहगार नही होता है जैसे लीला बेन और कांति भाई और हजारो–हजारो मॉ–बाप। लेकिन सबसे बड़ा गुनेहगाार तो वह है जो चारो तरफ अन्याय और तरह–तरह की धॉधलियो को देखकर भी चुप बैठा रहता है ,जैसे तुम (नकल उतारते हुए) हमें क्या करना है, हमने कोई ठेका ले रखा है दुनिया का। (गुस्से और हिकारत से) माई फुट (उठकर भीतर जाने लगती है। जाते–जाते मुड़कर) तुम जैसे लोगो के कारण तो इस देश में कुछ नही होता, हो भी नही सकता!

प्रश्न- (क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ?

(ख) इस संवाद का वक्ता कौन है ? वह क्यों गुस्से में है ?

(ग) इसमें किन–किन को गुनेहगार कहा गया है और क्यों ?

अथवा

यह पावस यहॉ नही पहुॅचता है। कालीदास की बर्षा की शोभा विन्ध्याचल में है। हिमांचल की इन मध्य की घाटियो में नही है। मैं नही जानता कि इसका लालित्य लाहुल–स्पीति के नर–नारी समझ भी पाएंगे या नहीं। वर्षा उनके संवेदन का अंग नही है। वह यह जानते नही हैं कि 'बरसात में नदियॉ बहती है, बादल बरसते, मस्त हाथी चिंघाड़ते हैं, जंगल हरे–भरे हो जाते है, अपने प्यारो से बिछुड़ी हुई स्त्रियॉं रोती–कलपती है, मोर नाचते हैं और बंदर चुप मारकर छिपते हैं।

अगर कालीदास यहॉ आकर कहें कि ' अपने बहुत से सुदंर गुणो से सुहानी लगने वाली ,स्त्रियों का जी खिलाने वाली ,पेड़ो की टहनियो और बेलो की सच्ची सखी तथा सभी जीवो का प्राण बनी हुई वर्षा ऋतु आपके मन की सब साधें पूरी करें ' तो स्पीति के नर–नारी यही पूछेंगे कि यह देवता कौन है? कहॉ रहता है ? यहॉ क्यों नही आता है ?

स्पीति में कभी–कभी बारिश होती है। वर्षा ऋतु यहॉ मन की साध पूरा नही करती। धरती सूखी ,ठंड़ी और वंध्या रहती है।

प्रश्न– (क) इस निबंध तथा लेखक का नाम बताइए।

(ख) लेखक को क्यों लगता है कि लाहुल–स्पीति के लोग कालिदास

के प्रसंग को नही समझ पाऍगे।

(ग) कालिदास ने वर्षा ऋतु का किस प्रकार गुणगान किया है ?

प्र011. निम्न में किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित है ? 3+3+3= 9 अंक

(क) लेखिका ने मियॉ नसीरूद्दीन को नानाबाइयों का मसीहा कहा , आप उससे कहॉ तक सहमत हैं ?

(ख) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वन्दी क्यों नही समझता था ?

(ग) जामुन का गिरा पेड़ देखकर क्लर्क ने क्या प्रतिक्रिया की ओर क्यों ?

(घ) ' नमक का दरोगा ' पाठ के आधार पर वंशीधर की किन्ही तीन चारित्रिक विशेषताओ को लिखिए ?

प्र012. ''आलो आंधारि का मुख्य प्रतिपाद्य अपने शब्दो में लिखिए ?

अथवा

लता मंगेश्कर एक सफल गायिका हैं सिद्ध करें ?

प्र013. निम्नलिखित मं से किन्ही तीन के उत्तर अपेक्षित हैं – 3+3+3= 9 अंक

(क) शास्त्रीय तथा चित्रपट संगीत मैं क्या अंतर है ?

(ख) चेजारेा के साथ गॉव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है , पाठ के आधार पर बताइए ?

(ग) 'आलो आधारि में वेबी की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ कई सामाजिक समस्याओं को उठाया गया है। किन्ही दो को स्पष्ट करें ?

(घ) भूमि के अंदर भीषण गर्मी में चेजारो के लिए ताजी हवा का प्रबंध कैसे किया जाता है ?

vkn'k Á'u i= & 2008&09

d{kk&11

vd ;ktuk ,o mRRkj ldr

fo"k;&fgUnh & ¼dUfnd½

[k.M & d

अंक– 90 | समय– 3 धंटे

प्र॰क 1. 2×5 = 10 अंक

उत्तर – (क) विज्ञान की प्रगति चिंता का कारण इसलिए है क्योंकि विज्ञान की प्रगति से प्राप्त हुए साधनो से मानव–बुद्धि कुंठित हो गई है।

(ख) स्थायी सुख –प्राप्ति का मार्ग है– भौतिक तथा अध्यात्मिक उन्नति में सामंजस्य स्थापित करना। इसी से वर्तमान समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

(ग) मनुष्य के सामने जीवन में वास्तविक व स्थायी सुख की प्राप्ति की विकट समस्या है।

(घ) आधुनिक सुख–साधनों के असंतुलित उपभोग से मानव के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में विकृति आई है।

(ङ) भौतिक साधनो के असंतुलित उपभोग द्वारा।

प्र॰क2. 2×5 = 10 अंक

उत्तर – (क) वायु हिलोर दे सकती है, फूँक दे सकती है और झकझोर सकती है।

(ख) दीया कब्र और मजार पर जल रहा था।

(ग) दीया शहीद का पुण्यदान है।

(घ) डपर्युक्त पंक्तियाँ ह्दय में उत्साह का भाव उत्पन्न करती है।

(ङ) 'दीये' से अभिप्राय स्वतंत्रता रूपी दीपक से है।

प्र॰क3. 2×2+1 = 5 अंक

उत्तर – पत्र लेखन किसी एक विषय पर अपेक्षित है।

- प्रारंभ एवं अंत की औपचारिकताएँ
- प्रश्नानुसार विषयवस्तु
- भाषा की शुद्धता और समग्र प्रभाव।

प्र॰क्र 4. 1+3+1 = 5 अंक

उत्तर – (क) एक निबंध अपक्षित है।

- भूमिका और उपसंहार
- विषय वस्तु (कम से कम 3 बिंदु)
- भाषा की शुद्धता एवं समग्र प्रभाव

प्र॰क्र 5. 2+2+1 = 5 अंक

उत्तर – संपादकीय / समाचार

प्रारंभ और समापन,प्रभावी प्रस्तुति ,भाषा की शुद्धता का प्रभाव।

प्र॰क्र 6. 2+2+1 = 5 अंक

फीचर लेखन –

प्रारंभ और समापन, प्रभावी प्रस्तुति , ललित भाषा व प्रभाव।

(खंण्ड़ स)

प्र॰क्र॰7. निम्नलिखित में से किन्ही दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ? 5×2 = 10

कवि +कविता – मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई

व्याख्या :– मुख्य बिंदु – मीरा के प्रेम की अभिव्यक्ति

मेरा पति मोरमुकुट वाला

कुल मर्यादा छोड़ी।

प्रेम की बेल फैली ,संसार की असारता

विशेष :– भक्ति रस / शांत रस ,कृष्ण के अनेक नाम

गिरिधर गोपाल, मोर मुकुट – अनुप्रास अलंकार

प्रेम बेल, आनंद फल – रूपक अलंकार

संगीत,लय, मधुरता

(ख) साये में धूप ,दुष्यंत कुमार

व्याख्या बिंदु संकेत–

- स्वत्रंत भारत में सबको प्रसन्नता
- पूरा शहर अंधेरे में गुप्प
- शासन व्यवस्था/शासक
- देश के लिए कुछ नही देश छोड़ चले

विशेष :–

- भाषा में सहज प्रभाव गतिशीलता
- विरोधाभास अलंकार – साये में घूप
- उर्दू शब्दो का प्रयोग, चिराग और दरख्त, आशा और सुव्यवस्था

(ग) वे ऑखे – सुमित्रानंदन पंत

व्याख्या बिंदु संकेत –

- किसान की ऑखो में आज भी खेत झूम उठता है।
- ऋण के कारण उसकी खेती हथियाना
- ऋण के कारण ही उसके पुत्र की हत्या
- महाजनो ने किसानो को ऋण वापस न कर पाने के कारण प्रताड़ित किया।

fo'k"k %& ऑखो का घूमना ,ऑखो का तारा होना जैसे सुंदर मुहावरे का प्रयोग जीवन की हरियाली रूपक अलंकार का प्रयोग, तृन–तृन पुनरूक्ति प्रकाश।

प्र॰क्र 8. (क) (I) निर्मला पुतुन ,आओ मिलकर बचाएँ ½ +½ = 1 अंक

(II) बस्तियो को शहरी वातावरण की उपछृंखलता ,प्रदूषित संस्कृति से बचना होगा।

(III) इन शब्दो से अभिव्यक्ति मनोरम। इसके कथन में लय ताल प्रवाहित होने से काव्य सौंदर्य अभिवृद्धि।

(ख) (I) भवानी प्रसाद मिश्र ,घर की याद ½ +½ = 1 अंक

(II) सावन को दूत , छोटे–छोटे वाक्य , सरस सरल प्रवाहपूर्ण, अनूभूतिपूर्ण भाषा। तुकांत शब्द, अनुप्रास। 2 अंक

प्र॰क्र॰ 9 (क) किन्ही दो के उत्तर अपेक्षित हैं– 2+2 = 4 अंक

(I) पथिक का मन नीले आकाश और समुद्र के बीच विचरण करना चाहता है। वह चाहता है कि रंग–बिरंगे बादल उसकी सवारी बने और वह प्रकृति के खुले ऑगन में विहार करे।

(II) बलिष्ठ शरीर और साहसी , उदार हृदय संवेदनशील सशक्त तन और मन ,बुद्धि बल से भी पूर्ण सशक्त आत्मीयता ,सरल भोले बहादुर , भावुक स्वभाव।

(III) कलकत्ता नही जाना चाहती ,न ही पति जाए। इसलिए कलकत्ता न रहे

प्र॰क्र॰ 10. किसी एक के उत्तर अपेक्षित है। 2+2+2 = 6 अंक

(क) पाठ – रजनी 1+1 = 2

लेखक – मन्नू भंड़ारी

(ख) इस संवाद की वक्ता है – रजनी वह अपने पति रवि के उदासीन व्यवहार के कारण गुस्से में है। रवि उससे कहता है कि जब उसके बच्चे ट्यूशन नही पढ़

रहे ,न ही उनका शोषण हो रहा है, तब वह क्यों परेशान हो रही है ? रजनी के विचार भिन्न है। वह चाहती है कि मनुष्य को अपने स्वार्थ के लिए नही ,अपितु हर प्रकार के अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

(ग) इस संवाद में दो प्रकार के गुनाहगार बताये गये हैं–

1. गुनाह करने वाले।
2. गुनाह को सहन करने वाले।

क्यों –रजनी की दृष्टि में गुनाह करने वाला तो दोषी है ही ,उसे सहन करने वाला भी गुनाहो को बढ़ावा देता है। अतः दोनो दोषी हैं।

अथवा

(क) निबंध – स्पीति में बारिश

लेखक – कृष्ण नाथ राय

(ख) लेखक के अनुसार लाहुल–स्पीति के लोग वर्षा के सुख से अनजान हैं। स्पीति में बारिश न के बराबर होती है। यह भी सुहानी नही होती। भीषण ठंड के कारण वह बर्फीली होती। अतः जब लोग कालिदास के मनमोहक पावस–प्रसंग को पढ़ेगे तो मानेगे नही ,न ही समझ सकेंगें।

(ग) कालिदास नें वर्षा ऋतु का अत्यंत मादक एवं मनमोहक वर्णन किया है। उन्होने वर्षा में बादल के बरसने का ,नदियो के बहने का ,मस्त हाथियो के चिंघाड़ने का ,जंगल में फैली हरियाली का ,वियोगनी नारियो के रोने–कलपने का ,मोरो के नाचने का तथ बंदरों के चुप्पी मारकर गुफाओं में छिपने का वर्णन किया है।

प्र॰क्र॰11 (क) पुश्तैनी नानबाई , 56 प्रकार की रोटी बनाने का अनुभव ,इल्म को जीवित रखा इत्यादि। $3\times3=$ 9 अंक

(ख) मोहन को बुद्धिमान होने के साथ–साथ पुरोहित का पुत्र भी था।

(ग) क्लर्क ने दुख व्यक्त किया कि जामुन खाने को नही मिलेंगे। उसे पेड़ के नीचे दबे आदमी के प्रति संवेदना नही थी।

(घ) ईमानदार ,कर्तव्यनिष्ठ ,निर्भीक ,निर्लोभी।

प्र॰क्र॰12 (क) नारी की सामाजिक स्थिति,गरीब व एकाकी नारी का समाज से जूझना ,अशिक्षा 6 अंक

समाज द्वारा ही लेखिका बनने में सहयोग।

(ख) गानपान, नादसौंदर्य, मधुरता, आमलोगो के लिए मलोगो के लिए प्रेरणास्रोत शास्त्रीय एवं सुगम संगीत की सुंदर समन्वयक।

प्र॰क्र॰13 किन्ही तीन के उत्तर अपेक्षित हैं – $3 \times 3 =$ 9 अंक

(क) शास्त्रीय संगीत के ताल गंभीर ,चित्रपट प्राथमिक अवस्था के तालो का। शास्त्रीय चित्रपट अल्पवधि में (अन्य बिंदु भी मान्य होंगें) ।

(ख) पूर्व में केवल खानदानी चेजारो थे। जिन्हे उपहार ,खाना इत्यादि दिया जाता था। आज केवल मजदूरी दी जाती है।

(ग) स्त्री की समाज में स्थिति ,सार्वजनिक शौचालयो का अभाव अशिक्षा इत्यादि।

(घ) मुट्ठी भर रेत फेंकना ,गर्म हवा बाहर ,ठंडी हवा का प्रवेश (विस्तार से)

---

vkn'k Á'u i= & 2008&09

d{kk&11

fo"k;&fgUnh ¼dfUnd½

अंक– 90 समय– 3 धंटे

नोटः– सभी प्रश्नो के हल देना अनिवार्य है।

[k.M *d*

प्र॰ क्र॰1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इससे संबंधित प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

संस्कृति एक प्रकार की संस्कारात्मक परिणति है।संस्कृति का संबंध संस्कार से है। यहॉ संस्कार का अर्थ मनुष्यों की मानसिक शिक्षा ,परिष्कार और बुद्धिमत्ता से है जो सत्त विकास की ओर अग्रसर होती है। समुदायो जातियो संप्रदायो मतो के बीच आदान–प्रदान से संस्कार और संस्कृति का निर्माण होता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो सत्त गतिशील और जिससे निरंतर परिवर्तन होता रहता है।

भारतीय संस्कृति की मूलधारा एक रही है। इस धारा से जाति, धर्म , समुदाय व्यक्ति समय–समय पर प्रभावित होते रहते और इससे प्रभावित भी करते रहे है। भारतीय संस्कृति का प्रसार भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर से आने वाली परंपराओ और प्रवृत्तियो को भी आत्मसात किया है। भारतीय संस्कृति की मुख्यधारा किसी भी सांस्कृतिक धारा को छोटा नही समझती ,न ही किसी धारा को नजरअंदाज करके आगे बढ़ जाती है। क्योंकि सत्य की खोज भारतीय संस्कृति का निरंतर चलने वाला प्रयास रहा हैं। सत्य की इस खोज में भारतीय संस्कृति सबको साथ लेकर चलती है। ग्रहण करना इस संस्कृति की विशेषता रही है।

(क) संस्कृति के सन्दर्भ में संस्कार का क्या आशय है ?

(ख) संस्कार और संस्कृति का निमार्ण कैसे हो रहा है ?

(ग) भारतीय संस्कृति की धारा किस–किस से प्रभावित हुई है ?

(घ) ग्रहण करना भारतीय संस्कृति की विशेषता कैसे रही है ?

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ?

$2 \times 5 =$ 10 अंक

प्र॰ क्र॰2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

मुहल्ले में वह शांति बेचता है।
लाउड़स्पीकर की एक दुकान है उसकी
मेरे घर से बिल्कुल लगी हुई।
सुबह–सुबह मुँह अंधेरे दो घंटे
लाउड़स्पीकर न बजाने के
वह मुझसे सौ रूपये महीने लेता है।
वह जानता है कि मैं
उन अभागों में से हूँ
जो शांति के बिना
जीवित नहीं रह सकते।
वह जानता था कि आने वाले वक्त में
साफ पानी और हवा से भी ज्यादा
शांति की किल्लत रहेगी।
वह जानता है कि क्रांति के जमाने अब लद चुके
अब उसे अपना पेट पालने के लिए
शांति का धंधा अपनाना है।
मैं उसका, आभारी हूँ
भारत जैसे देश में जहाँ कीमतें आसमान छू रही
सौ रूपये महीने की दर से शांति मिल सके
तो महंगी नहीं होगी !

(क) लाउडस्पीकर का दुकानदार शांति का धंधा कैसे करता है ?

(ख) कवि ने स्वंय को अभागा क्यों कहा है ?

(ग) कवि किसका आभार प्रकट करता है, और क्यों ?

(घ) कवि ने क्यों कहा है कि भविष्य में शांति की कमी रहेगी ?

(ङ) '' भारत जैसे देश में ''–कथन में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ? 2×5 = 10 अंक

¼[k.M&[k½

प्र॰क्र॰3– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दो में निबंध लिखिए– 5 अंक

(क) देश के उत्थान में युवाओ का योगदान।

(ख) संचार माध्यमो में कम्प्यूटर की उपयोगिता।

(ग) नारी समाज के सम्मुख चुनौतियाँ।

(ङ) वरिष्ठ नागरिको की समस्याएँ।

प्र॰क्र॰4– सूचना और संचार के माध्यमो की बढ़ती लोकप्रियता के कारण पत्र–लेखन पीछे छूट गया है। पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 5 अंक

अथवा

दैनिक जागरण के संपादक के नाम पत्र लिखकर सामाजिक जीवन में बढ़ रही 'आंतकी हिंसा ' पर विचार व्यक्त कीजिए।

प्र॰क्र॰5– विद्यालय में आयोजित कविता प्रतियोगिता का समाचार बनाकर लिखे ?

अथवा

' भारत के बदलते स्वरूप पर ' एक फीचर लिखिए।

प्र॰क्र॰6– निम्नलिखित प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 1×5 = 5 अंक

(क) मुद्रण माध्यम (प्रिंट मीड़िया) के अन्तगर्त आने वाले दो माध्यमो का उल्लेख कीजिए ?

(ख) समाचार लेखन में छह ककारो का क्या महत्व हैं ?

(ग) उल्टा पिरामिड़ शैली पर प्रकाश ड़ालिए ?

(घ) समाचारो को संकलित करने वाले को क्या कहा जाता है ?

(ङ) अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते है ?

खंण्ड 'ग'

प्र॰क्र॰7– निम्नलिखित काव्यांशो में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5+5= 10 अंक

(क) हम तौ एक–एक करि जाना।

दोइ कहै तिनही कौं दोजग जिन नाहिन पहिचाना।।

एकै पवन एकै पानी एकै जोति समाना।

एकै खाक गढे सब भांड़े एकै कोहरा सांना।।

जैसे बाढी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।

सबि घटि अंतर तू ही व्यापक धरै सरूपै सोई।।

माया देखि के जगत लुभांना काहे रे नर गरवांनां।

निरभे भया कछू नहिं व्यापै कहैं कबीर दिवांना।।

(ख) निकल रहा है जलनिधि–तल पर दिनकर–विंब अधूरा।

कमला के कंचन–मंदिर का मानो कांत कँगूरा।

लाने को निज पुण्य–भूमि पर लक्ष्मी की असवारी ।

रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण–सड़क अति प्यारी।

(ग) कहॉ तो तय था चिरागॉ हरेक घर के लिए,

कहॉ चिराग मयस्सर नही शहर के लिए।

यहॉ दरख्तो के सायो में धूप लगती है ,

चलो यहॉ से चले उम्र भर के लिए।

प्र॰क्र॰8– निम्नलिखित काव्यांशो में से किसी एक काव्यांश को पढकर पूछे गये प्रश्नो के उत्तर दीजिए – 2+2+2= 6 अंक

1. मैं मजे में हूँ सही हैं

घर नही हूँ बस यही है

किंतु यह बस बड़ा बस हैं ,

इसी बस में सब विरस हैं

(क) 'बस' शब्द की विशेषता बताइये ?

(ख) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ?

(ग) भाषागत दो विशेषताएँ बताइये ?

2. अपनी बस्तियों को

नंगी होने सें

शहर की आबो–हवा से बचाऍ उसे

बचाऍ डूबने से

थोड़ा सा विश्वास

थोड़ी सी उम्मीद

थोडे– से सपने

आओ मिलकर बचाऍ।

(क) अपनी बस्तियो व 'शहर की आबो हवा से क्या तात्पर्य है ?

(ख) बस्तियो के 'नंगे होने'का भाव स्पष्ट कीजिए ?

(ग) थोडा सा, थोड़ी सी ,थोड़े से का भाषा सौंन्दर्य स्पष्ट कीजिए ?

प्र॰क्र॰9– दोनो प्रश्नो के लघु उत्तर दीजिए– 2+2 = 4 अंक

(क) चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता पर बजर गिरे ?

(ख) कवि किसान की ऑखो से क्यों ड़रता है ?

प्र॰क्र॰10– निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गये प्रश्नो के उत्तर दीजिए –

(क) आगे भी इस देश में जो प्रधान शासक आए ,अंत में उनको जाना पड़ा। इससे आपका जाना भी परंपरा की चाल से कुछ अलग नही है, तथापि शासन–काल का नाटक घोर दुखांत है ,और अधिक आश्चर्य की बात यह है कि दर्शक तो क्या, स्वंय सूत्रधार भी नही जानता था कि उसने जो खेल सुखांत समझकर खेलना आरंभ किया था, वह दुखांत हो जावेगा। जिसके आदि में सुख था ,मध्य में सीमा से बाहर सुख था ,उसका अंत इतने घोर दुख के साथ कैसे हुआ ? आह! घमंडी खिलाड़ी समझता हैं कि दूसरो को अपनी लीला दिखाता हूँ। किंतु परदे के पीछे एक और ही लीलामय की लीला हो रही है, यह उसे खबर नहीं।

1. कर्जन के शासन काल का नाटक दुखांत क्यों है ?

2. सूत्रधार किसे कहा गया है ? उसके हारा खेल खेलने का क्या अभिप्राय है ?

3. ' और ही लीलामय की लीला ' से लेखक किस की ओर संकेत करना चाहता है ?

अथवा

(ख) मैंने धृष्टता से उन्हे बताया कि 'बिन मॉगे मोती मिले , मॉगे मिले न भीख ' मेरे मन में शायद युवा मित्रो को यह संदेश देने की कामना है कि कुछ घटने के इंतजार में हाथ पर हाथ धरे न बैठे रहो – खुद कुछ करो। जरा देखिए अच्छे खासे संपन्न परिवारो के बच्चे काम नही कर रहे जबकि उनमें तमाम संभावनाएँ हैं। और यहॉ हम बैचेनी से भरे काम किए जाते हैं। मैं बुखार से

छटपटाता सा अपनी आत्मा ,अपने चित्त को संतृप्त किए रहता हूॅ। मैं ऐसी बात कर रहा हूॅ जिसमें खामी लगती है।यह बहुत गजब बात नही हैं ,लेकिन मुझमें काम करने का संकल्प है। भगवत गीता कहती हैं ''जीवन में जो कुछ भी हैं तनाव के कारण है''। बचपन ,जीवन का पहला चरण एक जागृति है। लेकिन मेरे जीवन का बंबई वाला दौर भी जागृति का चरण ही था।

6 अंक

2+2+2=

1. निबंध एवं निबंधकार का नाम लिखिए ?
2. लेखक युवा लोगो को क्या संदेश देना चाहता है ?
3. लेखक का कर्म के बारे में क्या ख्याल है ?

प्र॰क्र॰11– निम्न में से किन्ही तीन के उत्तर अपेक्षित है – 3+3+3 = 9 अंक

(क) ''जामुन का पेड़'' नामक पाठ में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ?

(ख) मियां नसीरूद्दीन को नानाबाइयों का मसीहा क्यों कहा जाता है ?

(ग) नमक का दरोगा कहानी में पंड़ित अलोपीदीन के व्यक्तित्व के दो कौन से पहलू उभर के आते है ?

(घ) इतिहास में स्पीति का वर्णन नही मिलता है। क्यों ?

प्र॰क्र॰12– निम्नलिखित में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिए – 3+3+3 = 9 अंक

(क) राजस्थान में कुंई किसे कहते है ? इसकी गहराई और व्यास तथा सामान्य कुंओं की गहराई में क्या अंतर है ?

(ख) लता की गायकी से संगीत के प्रति आम लोगो की सोच में क्या परिवर्तन आया है ?

(ग) वेबी के जिदंगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता, कल्पना करे और लिखें ?

(घ) वर्षा न होने के की स्थिति में कुंई में पानी कहॉ से आता है ?

प्र॰क्र॰13– ' आलो–ऑधारि ' रचना में बेवी की व्यक्तिगत समस्याओ के साथ–साथ कई सामाजिक समस्याओ कों उठाया गया है। किन्ही दो मुख्य समस्याओ पर अपने विचार प्रकट कीजिए ?

अथवा

लता मंगंश्कर के गायन की कौन–कौन सी खूबियॉ आपको प्रभावित करती है।

vkn'k Á'u i= & 2008&09

d{kk&11

vid ;k tuk@mRRkj l idr@eY;&fcn

fo"k;&fgUnh

अंक– 90 समय– 3 धंटे

[k.M & d

उत्तर क्र.1. (क) संस्कुति के संदर्भ में संस्कार का आशय मनुष्य की मानसिक शिक्षा परिष्कार व बुद्धिमत्ता से है जो सत्त विकास की ओर अग्रसर रहती है।

(ख) समुदायों ,जातियों ,संप्रदायों व मतो के बीच आपसी आदान–प्रदान से संस्कार व संस्कृति का निर्माण होता है।

(घ) भारतीय संस्कृति की धारा जाति,धर्म ,समुदाय व व्यक्ति से प्रभावित हुई है।

(ग) भारतीय संस्कृति का प्रयास सत्य की खोज है। इसलिए वह सबकों साथ लेकर चलती है। इसी कारण वह दूसरो से ग्रहण करती है।

(ड) शीर्षक – भारतीय संस्कृति की महानता।

उत्तर क्र.2. (क) लाउड़स्पीकर का दुकानदार सुबह–सुबह दो घंटे लाउड़स्पीकर न बजाने के लिए सौ रूपये महीने लेता है। इस प्रकार वह शांति का धंधा करता है।

(ख) कवि शांति प्रिय है। परंतु उसके चारो तरफ तनाव व शोर है। अतः वह खुद को अभागा कहता है।

(ग) कवि लाउड़स्पीकर के दुकानदार का आभार प्रकट करता है , क्योंकि वह कवि को बहुत कम दाम में शांति देता है।

(घ) कवि कहता है समाज में चारो तरफ शोर बढ़ रहा है जिसके कारण भविष्य में

शांति की कमी रहेगी।

(ङ) 'भारत जैसे देश में ' का व्यांगार्थ है कि मंहगाई की मार से भारत भी अछूता नही है। यहॉ शांति जैसी महत्वपूर्ण चीज सौ रूपये महीने में सस्ती मिल रही है।

2×5= 10अंक

[k.M & [k

उत्तर क्र.3. किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित है – 5 अंक

1. कविता और उपसंहार 1 अंक
2. विषय वस्तु (कम से कम तीन प्रमुख बिंदुओ पर विमर्श) 1+1+1= 3 अंक
3. भाषा की शुद्धता एवं समग्र प्रभाव 1 अंक

उत्तर क्र.4. पत्र लेखन किसी एक विषय पर अपेक्षित है – 5 अंक

1. प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2 अंक
2. प्रश्नानुसार विषय–वस्तु 2 अंक
3. भाषा की शुद्धता एवं समग्र प्रभाव 1 अंक

उत्तर क्र.5. <u>समाचार लेखन</u> –सत्यता ,सुरूचि व स्पष्टता को घ्यान में रखते हुये – शीर्षक, मुखड़ा ,निकाय अंग के आधार पर विषयानुरूप तैयार करके समाचार पर उचित अंक प्रदान करें। 5 अंक

अथवा

<u>फीचर लेखन</u> – प्रारंभ और समापन
प्रभावी प्रस्तुति
उपयुक्त भाषा

उत्तर क्र.6. प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 5 अंक

(क) 1. समाचार पत्र 2.पत्र पत्रिकाएँ (अन्य उपर्युक्त रूप भी स्वीकार्य) 1 अंक

(ख) समाचार लेखन में छह ककारों – क्या ,कब ,कहॉ ,कौन ,कैसे ,क्यों का महत्व है जब इन छह लकारो का उत्तर दिया जाये तभी समाचार में पूर्ण संतुष्टि मिलती है। 1 अंक

(ग) उल्टा निरामिड़ समाचारो का ढॉचा हैजिसमे आधार ऊपर और शीर्ष नीचे होता है और क्रम होता हैं , समापन बड़ा मुखड़ा। 1 अंक

(घ) संवाददाता के नाम से। 1 अंक

(ङ) सीमित या कम समय के लिए काम करने वाला पत्रकार इन्हे प्रकाशित सामाग्री के अनुसार पारिश्रमिक दिया जाता है। 1 अंक

खंण्ड– ग

उत्तर क्र.7. किन्ही दो काव्यांशो की व्याख्या अपेक्षित है – 5 अंक

(क) प्रसंग – कविता – पद ½ अंक

कवि – कबीरदास ½ अंक

संदर्भ – 'एक ही परमात्मा तत्व की सत्ता स्वीकारना । 1 अंक

व्याख्या बिंदु – आत्मा–परमात्मा तत्व को एक मानना सभी मानवो का निर्माण जल–नभ आदि पॉच तत्वो से मिलकर हुआ है।

मनुष्य का शरीर नश्वर है व आत्मा अमर।

झूठी माया पर गर्व न करना ,मोह माया से मुक्ति पाकर निर्भयता रहेगी। 3 अंक

(ख) प्रसंग – कविता – पथिक

कवि – रामनरेश त्रिपाठी 1 अंक

संदर्भ – सूर्योदय की शोभा पर मुग्ध ,सागर किनारे कल्पना करना 1 अंक

व्याख्या बिंदु – पथिक सागर किनारे खड़ा है, समुद्र की सतह पर सूर्य की

अधूरी छवि उभर रही हैं। कवि को वह लक्ष्मी के मंदिर का कंगूरा प्रतीत समुद्र लक्ष्मी का सुनहरा मंदिर प्रतीत हो रहा है। लक्ष्मी की सवारी हेतु स्वर्णिम सड़क का निर्माण मार्ग । 3 अंक

(ग) प्रसंग –कवि –दुष्यंत कुमार – कविता – गजल 1 अंक 5 अंक

सन्दर्भ – समाजो के अभावों के प्रति लापरवाह निष्क्रिय समाज को जगाने का प्रयत्न। 1 अंक

व्याख्या बिंदु – स्वतंत्र भारत का सपना था कि घरो में दीपको की माला जलेगी (खुशियॉ होंगी) परंतु पूरे शहर में एक भी दीपक नही जलाया जा सका दरख्त की छाया में धूप का लगना अर्थात शासन व्यवस्था में कष्ट मिलना। आजादी के बाद भी सुख चैन न मिलना इत्यादि। 3 अंक

उत्तर क्र.8. (क) 1. यहॉ बस शब्द का प्रयोग लाक्षणिक है बस का अर्थ केवल मामूली सी बात व दूसरी बार 'बस' का प्रयोग में पहले बस का उल्लेख हैं , तीसरी बस का प्रयोग बहुत बड़ी बात के लिए हुआ हैं यहॉ विभिन्न भाव स्थितियों व दशाओं में प्रयुक्त है। 6 अंक 2 अंक

2. कवि जेल में बंद होने के कारण घर नही जा सकते विवश है अतः यहॉ घर से दूर होने की स्थिति कवि की वेदना को प्रकट कर रही है व कवि इस स्थिति को छिपाना चाहता है। 2 अंक

3. बस – यमक अलंकार ,अनुप्रस अलंकार। छोटे–छोटे वाक्य व तुक के कारण कविता मनमोहक सावन को दूत बनाकर भेजना प्राचीन परंपरा का मार्मिक प्रयोग। 2 अंक

अथवा

(ख) 1. अपनी बस्तियो का आशय है– झारखंड आदिवासी संथाल जन व शहर की आवों हवा शहर का सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक प्रदूषण।

2. बस्तियो के नंगे होने का आशय है–

अपनी मर्यादा व लज्जा छोड़कर अमर्यादित जीवन जीना वस्त्रो से तन को ढकने की जगह उसे उत्तेजक बनाना। धरती को पेड़ो रहित बनाना।

3. कवि नें उर्दू (उम्मीद) ,संस्कृत (विश्वास) तथा तद्भव (सपने) का मिला जुला प्रयोग किया है व थोड़ा सा के तीनो प्रयोग थोड़े से अंतर के कारण एक ही अर्थ के वाहक हैं व लय का समावेश है। संगीत रहित होते हुए भी आर्कषण हैं।

2+2+2= 6 अंक

उत्तर क॰9. (क) चंपा नही चाहती शादी के बाद उसका पति धन कमाने के लिए कलकत्ता जाए। कलकत्ता उसके परिवार को तोड़ने वाला है।

(ख). किसान की ऑखो में घोर निराशा,दीनता व अंधकार भरा हुआ हैं महाजनो ने पशुओ से भी बदतर व्यवहार किया व घर से बेघर कर दिया व शोषण किया।

उत्तर क॰10.(क) 2+2+2= 6 अंक

1. लार्ड़ कर्जन के शासन काल में समस्याएँ बढती गई व उनकी अपनी जिद के कारण इंग्लैड ने शासन से हटा दिया। आपका सुख दुख में बदल गया।
2. सूत्रधार इग्लैड के शासक को कहा गया है ,इंग्लैड के शासक ने कर्जन को वायसराय बनाकर उनका वर्चस्व बनाये रखने को भेजा था परंतु गलत नीतियो के कारण उन्हे हटाना पडा। इसी को सुत्रधार का खेल खेलना कहा गया हैं
3. यहॉ लीलामय के माध्यम से इंग्लैड के शासन की ओर संकेत किया गया है।

अथवा

(ख) 1. निबंध – आत्मा का ताप

निबंधकार – सैयद हैदर रजा।

2. कर्म करने का संदेश देता है वह कहता है कि भाग्य के भरोसे मत बैठे रहो बिन.

कुछ पाये आशा मत करो खुद कुछ करो।

3. लेखक – मनुष्य को निरंतर कर्म करना चाहिए , उसके मन में कुछ करने की तडप होनी चाहिए ,कुछ होने या घटने की संभावना में हाथ पर हाथ धरे बैठना मूर्खता है। 2+2+2= 6 अंक

उत्तर क्र॰11 (क) प्रस्तुत कहानी में घटनाओं का वर्णन करके उनके माध्यम से सरकारी कार्यालयों की निरर्थक कार्य प्रणली पर प्रकाश डाला गया है यर्थाथवादी दृष्टिकोण अपनाकर मानवता हेतु कार्य करने को प्रेरित किया गया है। निम्न विभाग जैसे –व्यापार , कृषि आदि पर व्यंग्य किया गया है।

(ख) वे खानदानी नानबाई है। उनके पास छप्पन प्रकार की रोटिया बनाने का हुनर है, वे इसे कला मानते है। वे आत्मविश्वास तथा फक्कडपन से भरपूर है इसलिए उन्हे नानबाई का मसीहा कहा गया है।

(ग) पंडित अलोपोदीन के व्यक्तित्व के दो पहलू उभर का सामने आते है–

1. अशुभ व्यक्तित्व 2. शुभ व्यक्तित्व। पाठ के अनुसार विस्तृत उत्तर देने पर विस्तृत अंक प्रदान करें।

(घ) स्पीति में जन जीवन सीमित है आठ नौ महीने बर्फ रहती है, बाहर निकलना कठिन । न ही रास्ते है न ही संचार के आधुनिक साधन। न कोई उल्लेखनीय घटनाएँ हों पाई।

उत्तर क्र॰12 तीन के उत्तर दीजिए – 3+3+3 = 9 अंक

(क) राजस्थान में रेत की नमी को पानी में बदलने के लिए कुँई का निमार्ण किया जाता है। चार–पॉच हाथ व्यास की तीस से साठ हाथ की गहराई तक खोदा जाताा है व ईंट व चूने से पक्का कर दिया जाता है। 3 अंक

(ख) बेबी की जिदंगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन नारकीय होता । पेट भर खाना न मिलता, बच्चो का पालन–पोषण ठीक से नही हो पाता,

न वे विद्यालय जा पाते। वेबी तातुश के प्रयासो से ही लेखिका बन पाई।

उपयंक्त उत्तर पर उचित अंक प्रदान करें। 3 अंक

(ग) अब वह शास्त्रीय दृष्टिकोण पर अधिक बल नही देते। वे गायन की मधुरता, मस्ती, गानपन पर महत्व देते हैं। लोगो की स्वर साधना परिपक्व हो गयी है , नई पीढ़ी को सांस्कृतिक किया है। 3 अंक

(घ) पानी की बूँदे रेत के अंदर नमी के रूप में इकट्ठी हो जाती है। नीचे खडिया पत्थर की पट्टी में पहुँचकर यह नमी अटक जाती है। पत्थर की नमी पानी को नीचे नही जाने देती है व यही पानी रिस–रिस कर कुँई में एकत्र हो जाता है।

उत्तर क्र.13 आलो–ऑधारि रचना कई सामाजिक समस्याओ को समेटे है – जैसे समाज में स्त्री की दशा ,अभावों में जीना, सार्वजनिक शौचालयों का अभाव, परिवार के लोगो का अपनो से मोह भंग। 6 अक

किन्ही दो के विस्तृत उत्तर देने पर विस्तृत अंक प्रदान करें।

अथवा

लता की गायकी में निम्न विशेषताएँ हैं – सुरीलापन, कोमलता और निर्मलता, शास्त्र–शुद्धता तथा मधुरता का संगम इत्यादि।
उचित उत्तर पर अंक प्रदान करें।

————————